Paper - II

MT

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - II

Time : 3 Hours **Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

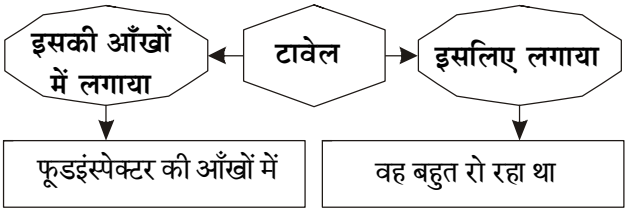

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) आँसुओं ने

(2) भगवान कृष्ण के जैसा

2) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) फूडइंस्पेक्टर को।

(2) क्योंकि वह अपनी नौकरी में खुश था।

ii) **सत्य या असत्य पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) सत्य (2) असत्य

3) i) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** **1**

(1) दिये - दिए (2) आंसुओ - आँसुओं

ii) **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायी शब्द लिखिए।** **1**

(1) निखालिस - शुद्ध (2) कनस्तर - टीन का पीपा

4) मेहनत करने से गृहस्थी चलती है, भ्रष्टाचार करने से नहीं। भ्रष्टाचार करके कमाया हुआ पैसा कितने दिनों तक साथ देगा ? ऐसा पैसा व्यक्ति को हजम नहीं हो सकता है। कोई गलत मार्ग से कमाए हुए पैसों से भले ही अपने परिवार को खुश रखने का प्रयास करता है परंतु वह अपने देश के साथ बेईमानी करता है। इस बात को उसे भूलना नहीं चाहिए। भले ही उसकी गृहस्थी भ्रष्टाचार के पैसों से ठीक-ठाक चलती रहे, फिर भी क्या उसे जीवन का सच्चा आनंद मिल सकता है ? कदापि नहीं। **2**

उ.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **समझकर लिखिए।** **1**

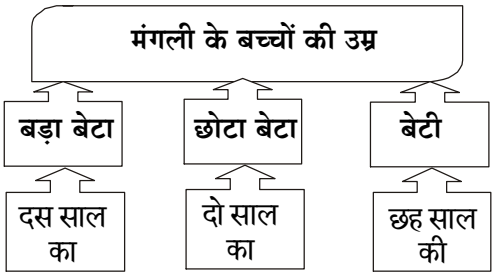

ii) **चौखट पूर्ण कीजिए।** **1**

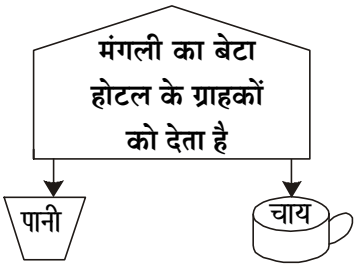

2) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) अपने पति के लिए।

(2) अपने बड़े बेटे के लिए।

ii) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) **भोजन -** प्लास्टिक के बैग में क्या था ?

(2) **झोपड़पट्टी -** पहाड़ की तराई पर क्या था ?

3) i) **विलोम शब्द लिखिए।** **1**

(1) बेहतर × बदतर (2) घनी × विरल

	ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए।** (1) बच्चों - बच्चियों (2) बेटा - बेटी	**1**
4)	गरीब वर्ग की आशाएँ एवं आकांक्षाएँ मर्यादित स्वरूप की होती हैं। वे किसी भी चीज की अधिक अपेक्षा नहीं करते हैं। अत: जो मिलता है उसी में वे संतुष्ट होते हैं। उनके चेहरे पर कुछ भी पाने के बाद प्रसन्नता के भाव दिखाई देते हैं। इसी कारण जरूरत की चीजें कम मात्रा में पाने के बाद भी उनके चेहरे पर संतोष के भाव दिखाई देते हैं। मिलनेवाली छोटी-सी चीज भी उनके मन को प्रसन्न कर देती है। अत: उनके चेहरे पर जो संतोष के भाव दिखाई देते हैं वे अद्‌वितीय होते हैं।	**2**
उ.1.	**(ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	**समझकर लिखिए।** उत्पादक और उपभोक्ता ।	**1**
2)	**उत्तर लिखिए।** (i) व्यापारिक (ii) नियुक्ति संबंधी (iii) शैक्षिक (iv) धार्मिक (v) मनोरंजन संबंधी	**1**
3)	विज्ञापन की दुनिया काफी मायावी है। बाजारीकरण के मौजूदा दौर में विज्ञापनों का महत्त्व दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। आज उत्पादक किसी भी तरह से अपने उत्पाद को बाज़ार में बेचना चाहता है और इसके लिए वह विज्ञापनों का सहारा लेकर अपने उत्पाद के लिए उपभोक्ताओं को पैदा करता है। यदि विज्ञापन में उत्पाद की सही जानकारी न देकर उपभोक्ताओं को मूर्ख बनाने का प्रयत्न किया गया है या फिर झूठे वादे किए गए हैं, तो कहीं न कहीं इन विज्ञापनों के प्रस्तुतकर्ता समाज को धोखा दे रहे हैं और इनके घातक परिणाम हो सकते हैं। विशेष रूप से छोटे बच्चों की मानसिकता के साथ खिलवाड़ कर उन्हें अपने जाल में फँसाना बहुत ही अनैतिक है। प्रस्तुतकर्ताओं को एक मर्यादा में रह कर ही इन विज्ञापनों का निर्माण करना चाहिए। विज्ञापनों का समाज पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है, अत: इनका प्रयोग समाज की भलाई के रूप में किया जाना चाहिए ना कि स्वयं के निजी लाभ के लिए।	**2**

विभाग 2 - पद्य

उ.2.	**(च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	i) **समझकर लिखिए।** 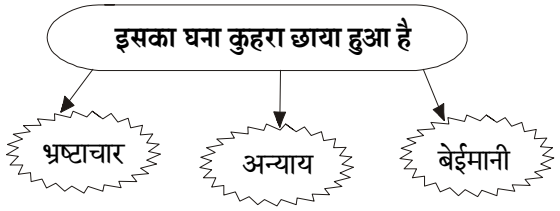 	**1**

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** ½

(1)

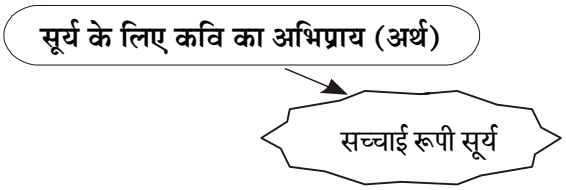

(2)

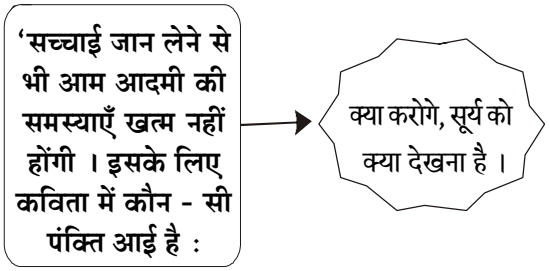

½

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

हमें प्रशासनिक, सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था के दोषों के बारे में सच नहीं बोलना चाहिए।

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) सूरज सुबह से दिखाई नहीं दिया।

(2) किसी की व्यक्तिगत आलोचना करना ।

3) i) **शब्द बनाइए।** **1**

उपासना - उपासक

याचना - याचक

ii) (1) आकाश से बातें करना। **1**

(2) आकाश पाताल एक करना।

4) दुष्यंत कुमार जी आम आदमी को आगाह करते हुए कहते हैं कि तुम आज के दौर में सच्चाई कहने का खतरा मत मोल लो। तुम्हें कभी नहीं कहना चाहिए कि आकाश में घना कुहरा छाया हुआ है। तुम्हारे ऐसा कहने से आकाश की व्यक्तिगत आलोचना होती है और कभी किसी की व्यक्तिगत आलोचना नहीं होनी चाहिए अर्थात तुम्हें प्रशासनिक, सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था के दोषों के बारे में सच नहीं बोलना चाहिए। इस अव्यवस्था में भ्रष्टाचार, अन्याय, बेईमानी आदि का ही घना कुहरा छाया हुआ है। **2**

उ.2. (छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) समझकर लिखिए। **1**

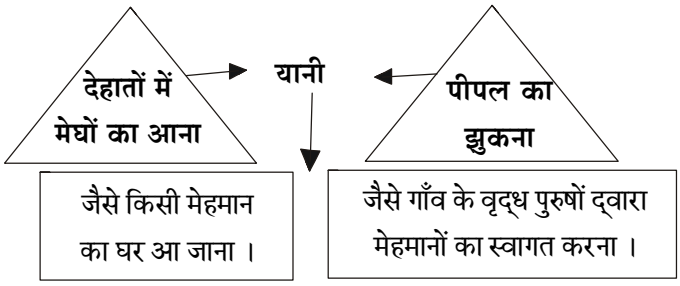

ii) चौखट पूर्ण कीजिए। **1**

(1) **इसने मेघ को जुहार की** → बूढ़े पीपल के पेड़ ने

(2) **हर्षित होकर तालाब ने** → अपनी परात में पानी भर लाया

2) i) उत्तर लिखिए। **1**

(1) लता ने दरवाज़े की ओट ली।

(2) 'बरस बाद सुधि लीन्हीं'

ii) पद्यांश में से दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों - **1**

(1) दरवाजे की ओट लेकर लता क्या बोली ?

(2) ताल ने हर्षित होकर क्या किया ?

3) i) शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए। **1**

(1) किवार - स्त्रीलिंग (2) परात - पुल्लिंग

ii) वचन बदलकर लिखिए। **1**

(1) लता - लताएँ (2) परात - परातें

4) बादलों के आगमन पर बूढ़े पीपल के पेड़ ने आगे बढ़कर उनका अभिवादन किया है। लता दरवाजे के पीछे से व्याकुल होकर उलाहना देते हुए कहती है कि "पूरे एक वर्ष के बाद आपको हमारी याद आई है।" तालाब भी प्रसन्न होकर बादलों का पाँव पखारने के लिए परात भर कर पानी लाया है। इस प्रकार बादल बड़े बन - ठन के आए हैं। **2**

विभाग - 3 - पूरक पठन

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(1) **नरेश का निवासस्थान** — दूर जंगल में नदी के तट पर बनाई हुई एक पर्णकुटी में

(2) **नरेश की पसंद -** — राजमहल की शान - शोभा और वैभव से दूर रहना ।

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) श्वेतवर्ण

(2) बड़ा आकर्षक

2) 'खेल' मानवी जीवन का एक प्रमुख अंग होता है। खेल से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। खेलने से मन प्रसन्न हो जाता है। खेल भाईचारा, शांति व प्रेम का प्रतीक होता है। वर्तमान युग में खेल का महत्त्व बढ़ रहा है। देश-विदेश में खेलों एवं उसे खेलने वाले खिलाड़ियों को सम्मान प्राप्त हो रहा है। क्रिकेट, बास्केट बॉल, हॉकी आदि खेल अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर खेले जाते हैं। अत: खेल समूचे विश्व का एक प्रमुख अंग बन गया है। **2**

विभाग - 4 - व्याकरण

उ.4. **सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** **½**

दुश्वार - महँगाई में जीना दुश्वार हो गया है ।

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए।** **½**

प्यास - संज्ञा

2) **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए।** **1**

पंडित परमसुख <u>की</u> नाक सिकुड़ <u>गई</u> ।

3) i) **निम्नलिखित सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** **½**

जाना - बछड़ा गाय का दूध पी **गया** ।

	ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए।** डाला (डालना) - सहायक क्रिया ।	½
4)	**प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए।** **क्रिया** — **प्रथम प्रेरणार्थक** — **द्वितीय प्रेरणार्थक** तोड़ना — तुड़ाना — तुड़वाना	**1**
5)	i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** कुछ - वह कुछ बोल रहा था ।	**1**
	ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** अब : क्रियाविशेषण अव्यय	**1**
6)	**कालपरिवर्तन कीजिए।** i) वाणी का बैर टिका । ii) कार्यकर्ताओं की वाणी दूषित हो जाएगी ।	**2**
7)	i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** **मृत्यु के मुँह में कूदना -** जान - बूझकर खतरा मोल लेना । **वाक्य** : रेलगाड़ी की छत पर यात्रा करना **मृत्यु के मुँह में कूदना** है ।	**1**
	ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** बड़ी मुश्किल से अपराधी पुलिस के **हाथ आया** ।	**1**
	विभाग - 4 - रचना	
उ.5.	**परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	**निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।** करन वेद बगीचा बिल्डिंग, कोल्हापुर । दिनांक - 5 मार्च, 2017 सेवा में, श्रीमान कोतवाल साहब, शहर विभाग, कोल्हापुर । **विषय : सार्वजनिक गणेशोत्सव के समय ध्वनि प्रदूषण की शिकायत ।**	**5**

माननीय महोदय,

मैं आपके शहर का निवासी हूँ । दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ । इस पत्र द्वारा मैं रेकार्ड बजने के कारण अध्ययन में पड़नेवाली बाधा की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ ।

शहर में आजकल चारों तरफ गणेशोत्सव की धूम है । दिन-रात शहर में रिकार्ड बज रहे हैं । परीक्षा करीब है और पढ़ाई ठीक से नहीं हो पा रही है । आवाज़ इतनी तेज रहती है कि पढ़ने में मन नहीं लगता है । हम कई बार रेकार्ड बजानेवालों से शिकायत कर चुके हैं लेकिन उन्होंने हमारी बात पर ध्यान नहीं दिया । उत्सव के कारण किसी की व्यक्तिगत जिंदगी प्रभावित नहीं होनी चाहिए। रिकार्ड बजाने की समय-सीमा निर्धारित होनी चाहिए ताकि हम शांतिपूर्ण ढंग से अध्ययन कर सकें । यह हमारे भविष्य का प्रश्न है ।

अत: आपसे प्रार्थना है कि विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उचित कार्यवाही करने की कृपा करें ।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

भवदीय,
करन वेद ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान कोतवाल साहब,
शहर विभाग,
कोल्हापुर ।

प्रेषक,
करण वेद,
बगीचा बिल्डिंग,
कोल्हापुर ।

अथवा

रमेश पांडे
इंद्रानगर,
फिरोजपुर ।
दिनांक - 5 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
सोनिया औषधि भंडार,
राजीव चौक,
जालंधर ।

विषय : <u>औषधियाँ मँगवाने के लिए प्रार्थना पत्र।</u>

माननीय महोदय,

मैं आपका नियमित ग्राहक हूँ । मुझे जिन औषधियों की आवश्यकता होती है, वे सभी आपके यहाँ आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं ।

पिछले तीन-चार सालों से मैं आपके यहाँ से औषधियाँ खरीद रहा हूँ । कुछ दिन पहले ही मैंने आपके औषधि भंडार से कुछ दवाएँ मँगवाई थीं । उन दवाओं के सेवन से मुझे बहुत आराम मिला है । कुछ और देशी दवाइयाँ मँगवाना चाहता हूँ । पाँच सौ रुपए का पोस्टल ऑर्डर पत्र के साथ भेज रहा हूँ ।

दवाओं की सूची इस प्रकार है :

क्रमसंख्या	**औषधि का नाम**	**मात्रा**
1	कायम चूर्ण	300 ग्राम
2	च्यवनप्राश	800 ग्राम
3	द्राक्षासव	5 बोतल
4	शहद	1 बोतल

आशा है कि आप तुरंत औषधियाँ भेजने की कृपा करेंगे ।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

भवदीय,
रमेश पांडे

टिकट

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
सोनिया औषधि भंडार,
राजीव चौक,
जालंधर ।

प्रेषक,
रमेश पांडे
इंद्रानगर,
फिरोजपुर ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए। **5**

बुद्धिमान ईश्वर

एक व्यापारी कई सालों से गाँव-गाँव घूमकर व्यापार करता था । जब कभी वह थक जाता तो किसी बड़े पेड़ की छाँव में विश्राम करता, वहीं खाना खाता और फिर दूसरे गाँव के लिए रवाना हो जाता । कई बार वह यह सोचकर मन ही मन बहुत प्रसन्न होता था कि उसके जैसा बुद्धिमान कोई नहीं है ।

एक बार वह सदैव की भाँति व्यापार के लिए घर से निकला । दोचार गाँव घूमने पर वह थक गया । उसने थोड़ी दूर पर एक तालाब देखा । उसके पास एक बहुत बड़ा आम का पेड़ भी था। उसने उसी पेड़ के नीचे विश्राम करने का निश्चय किया ।

अपने साथ लाया हुआ भोजन खा कर उसने ठंडा पानी पिया और पेड़ के नीचे ठंडी छाँव में विश्राम करने लगा । अचानक उसकी नजर पेड़ पर पड़ी । उसमें आम के कच्चे फल लगे हुए थे । व्यापारी विचार करने लगा कि 'ईश्वर भी बड़ा विचित्र है, उसने इतने बड़े पेड़ पर छोटे फल क्यों लगाए ? बड़े पेड़ पर तो बड़े फल होने चाहिए। छोटी-छोटी लता पर तरबूज और खरबूज जैसे बड़े-बड़े फल लगते हैं । कितनी अजीब बात है ।' तभी अचानक एक आम उसके सिर पर गिरा और सारी बात उसकी समझ में आ गई ।

उसने ईश्वर से क्षमा माँगी और सोचने लगा कि यदि इस वृक्ष पर बड़ा फल लगा होता और वह मेरे सिर पर गिरा होता तो मैं मर जाता । ईश्वर ही सबसे बुद्धिमान है । वह जो करता है, सोच-समझकर ही करता है ।

सीख : इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि भगवान जो भी कार्य करता है, वह सोच- समझकर ही करता है । अत: उस पर हमें पूर्ण रूप से विश्वास करना चाहिए ।

3) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हो। **5**

(i) कौन-कौन-से खेलों की राष्ट्रीय टीम हैं ?

(ii) कौन-कौन-से नृत्य देश में लोकप्रिय हैं ?

(iii) भारत के सभी प्रांत किसके अधीन हैं ?

(iv) भारत देश में कितने संविधान, कानून, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगीत हैं ?

(v) सभी प्रांतों के सैनिक किस सेना में हैं ?

उ.6. 1) प्रसंग लेखन। (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

मैंने देखा कि उसकी मुट्ठी में विविध प्रकार के बीज थे । मुझे समझते देर न लगी कि वह महिला क्या कर रही है !

उसने बताया कि एक बार उसके झलाके में भयंकर सूखा पड़ा था । ताल - तलैया सूख गए थे । कुओं का पानी रसातल में चला गया था । फसलें नष्ट हो गई थीं । उन्हीं दिनों एक महात्मा उस महिला के गाँव में आए । महात्मा जी ने गाँववालों से कहा, 'पेड़ लगाओं, पानी बरसेगा । अगले दिन महात्मा जी ने आगे के लिए प्रस्थान किया । कुछ लोगों ने महात्मा जी की बात मान कर पेड़ लगाए । वर्षा के दिन आए तो उस इलाके में अच्छी बरसात हुई । यह संयोग था या महात्मा जी के वचन का प्रभाव, किसी को नहीं पता तब से इस गाँव में पेड़ लगाने की परंपरा चल पड़ी । अब इस गाँव का कोई व्यक्ति गाँव से बाहर जाता है, तो वह अपने साथ कुछ बीज जरूर ले जाता है । वह उसे कहीं - न कहीं फेंक देता है, इस उद्देश्य से कि शायद उसमें से कोई बीज पेड़ बन जाए !

मेरे साथ सफर कर रही महिला अपने गाँव की उसी परंपरा का पालन कर रही थी । मैंने सोचा, धन्य है यह महिला और धन्य है वह गाँव, जिसने वृक्षारोपण का यह अनोखा तरीका अपना रखा है ।

2) **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए। (लगभग 60 से 80 शब्दों में)** **5**

आवश्यकता है
एक कुशल एवं अनुभवी
कार ड्राइवर की
जो रहता हो
पुणे के कोरेगाँव पार्क से
शिवाजी नगर के बीच ।
संपर्क करें -
राजेंद्र दुबे
शिवाजी नगर, पुणे
भ्रमणध्वनि - 9888888888

3) **स्वमत अभिव्यक्ति : (60 से 80 शब्दों में)** **5**

वस्तुओं की बिक्री के लिए विज्ञापन आवश्यक है, पर वस्तुओं की बिक्री के लिए विज्ञापन की शब्दावली को बढ़ा - चढ़ा कर लिखना अथवा अनावश्यक रूप से प्रचार करना गलत है । इसके अलावा मूर्तियों, प्रतिमाओं और छात्रों को दी जाने वाली डिग्रियों को भी प्रचार का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए । अच्छा तो यह हो कि विज्ञापनों की जाँच करने के लिए भी कोई व्यवस्था होनी चाहिए, जो अनुचित विज्ञापनों और लोगों की भावनाओं को आहत करने वाले विज्ञापनों पर रोक लगाने का कार्य करे ।

❖❖❖❖